जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

अ

जैन विद्या भाग - 5 प्रवेश परीक्षा

(जैन विद्या भाग-3 एवं 4 के पाठ्यक्रम से)

समय : 1 घण्टा प्रश्न पत्र : द्वितीय पूर्णांक 50

नामांक अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. 'भमलीए-पितमुच्छाए' किस पाटी में आते हैं-
   (अ) कायोत्सर्ग प्रतिज्ञा (ब) शक्र स्तुति
   (स) इर्यापथिक सूत्र (द) प्रायश्चित सूत्र ( )
2. महावीर वाणी का 'अलं बालस्स संगेणं' पद है-
   (अ) सत्य पद का (ब) शिक्षा पद का
   (स) अहिंसा पद का (द) इनमें से कोई नहीं ( )
3. गणधर मौय पुत्र के मन में सन्देह था-
   (अ) नरक के बारे में (ब) पुण्य पाप के बारे में
   (स) मोक्ष के बारे में (द) परलोक, पुनर्जन्म के बारे में ( )
4. अकम्पित के पास विधाध्ययन करते थे-
   (अ) 250 छात्र (ब) 300 छात्र
   (स) 500 छात्र (द) 350 छात्र ( )
5. आकाश में उड़ने वाले पक्षी है-
   (अ) एकेन्द्रिय जीव (ब) तेइन्द्रिय जीव
   (स) पंचेन्द्रिय जीव (द) चतुरिन्द्रिय जीव ( )
6. अनेकांत दर्शन के पुरस्कर्ता थे-
   (अ) भगवान ऋषभ (ब) आचार्य तुलसी
   (स) भगवान महावीर (द) आचार्य महाप्रज्ञ ( )
7. मोक्ष के साधक तत्त्व है-
   (अ) पुण्य-पाप (ब) धर्म-अधर्म
   (स) संवर-निर्जरा (द) जीव-अजीव ( )
8. आश्रय देना जिसका गुण है वह है-
   (अ) जीवास्तिकाय (ब) अधर्मास्तिकाय
   (स) आकाशास्तिकाय (द) काल ( )

9. ज्ञान भार से कहीं पेट फट न जाए, इसलिए वे पेट पर स्वर्ण पट बांधकर रखते थे।
(अ) पंडित हेमचन्द्र (ब) पंडित शंकर भट्ट
(स) पंडित हरिभद्र (द) पंडित योगाचार्य ( )

10. इस अवसर्पिणी काल के अंतिम केवली एवं मोक्षगामी थे–
(अ) सुधर्मा स्वामी (ब) जंबु स्वामी
(स) प्रभव स्वामी (द) शंकराचार्यजी ( )

11. भामाशाह के पिता का नाम था–
(अ) ताराचंदज़ी (ब) भारमलजी
(स) मानसिंहजी (द) भगवानदासजी ( )

12. नाड़ी तंत्र और ग्रंथि तंत्र का संधि स्थल है–
(अ) एड्रीनल (ब) पिच्युटरी ग्लैण्ड
(स) हाइपोथेलेमस (द) थायरायड ग्लैण्ड ( )

13. दूरबोध की उपलब्धि संभव हो सकती है–
(अ) दीर्घश्वास प्रेक्षा से (ब) प्राणायाम से
(स) कायोत्सर्ग से (द) समवृत्ति श्वास प्रेक्षा से ( )

14. कायोत्सर्ग का अभ्यास किया जाता है–
(अ) दो मुद्राओं में (ब) तीन मुद्राओं में
(स) एक ही मुद्रा में (द) चार मुद्राओं में ( )

15. हेमचन्द्राचार्य का मूल नाम था–
(अ) सोमचंद्र (ब) चंगदेव
(स) कुमारपाल (द) सिद्धराज ( )

16. आनंद स्त्री दीक्षा मेरे संघ के आयुष्य को कम करने वाली होगी। ये शब्द किसने कहे–
(अ) भगवान महावीर ने (ब) गौतम बुद्ध ने
(स) ईसा ने (द) ऋषभदेव ने ( )

17. बालमुनि कनक का दीक्षा काल रहा–
(अ) 2 वर्ष (ब) छः महिने
(स) 10 वर्ष (द) 3 वर्ष 6 माह ( )

18. आचार्य हेमचन्द्र के सामने एक साथ कलमें चलती थी–
(अ) 44 (ब) 84 (स) 64 (द) 24 ( )

19. आचार्य कालूगणी की दीक्षा किनके वरद हस्त से हुयी–
(अ) आचार्य डालगणी (ब) आचार्य मघवागणी
(स) आचार्य माणकगणी (द) आचाग्र जीतमलजी ( )

20. 'भिक्षु शब्दानुशासन' यह संस्कृत व्याकरण किनके सानिध्य में निर्मित हुए–
(अ) आचार्य तुलसी (ब) आचार्य महाप्रज्ञजी
(स) आचार्य कालूगणी (द) आचार्य मघराजजी ( )

21. आचार्य तुलसी को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया–
(अ) 31 अक्टूबर 1993 (ब) 3 अक्टूबर 1990
(स) 30 अक्टूबर 1992 (द) 23 अक्टूबर 1991 ( )

22. राष्ट्रीय चरित्र को समुन्नत बनाने का उपक्रम है–
(अ) प्रेक्षाध्यान (ब) अणुव्रत
(स) जीवन विज्ञान (द) जैन विद्या पाठ्यक्रम ( )

23. महात्मा गांधी ने कितने वर्षों तक रात्रि भोजन नहीं किया–
(अ) 44 वर्ष (ब) 40 वर्ष
(स) 33 वर्ष (द) 35 वर्ष ( )

24. अममत्व भाव और असंग्रह का अर्थ है–
(अ) अचौर्य (ब) अहिंसा
(स) अपरिग्रह (द) सत्य ( )

25. श्रावक रूपचंदजी कौनसे आचार्य के परम विश्वास पात्र थे?
(अ) आचार्य माणकगणी (ब) आचार्य डालगणी
(स) आचार्य कालूगणी (द) आचार्य तुलसी ( )

26. जगडुशाह ने दुष्काल में कितनी दानशालाएं खोली थी–
(अ) 120 (ब) 112
(स) 118 (द) 108 ( )

27. जप के मुख्यत: भेद है–
(अ) चार (ब) दो
(स) तीन (द) आठ ( )

28. आचार्यों ने जप का सम्यक् समय माना है–
(अ) तीन सन्धि बेला (ब) सुबह 11 बजे
(स) रात को (द) दो सन्धि बेला ( )

29. जन्म–मरण का मुख्य कारण है–
(अ) आत्मा की अमरता (ब) कर्म रहित होना
(स) आत्मा का कर्म सहित होना (द) सृष्टि की परम्परा ( )

30. प्रतिक्रमण का पांचवां आवश्यक है–
(अ) वंदना (ब) कायोत्सर्ग
(स) प्रत्याख्यान (द) सामायिक ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. तत्त्व के.....प्रकार है।
2. ज्ञान के .....आचार है।
3. सम्यक्त्व के दो हेतु है.....और.....।
4. शक्र स्तुति का दूसरा नाम..... है।
5. विजयगीत के रचनाकार..... है।
6. मल्लिकुमारी ने .....वर्ष की अवस्था में संयम ग्रहण किया।
7. श्री कृष्ण की .....पत्नियां अरिष्टनेमि के पास दीक्षित हुयी।
8. चौबीस तीर्थंकरों में सबसे कम छद्मस्थकाल .....का था।
9. मंडित .....दर्शन के समर्थक थे।
10. गणधर प्रभास की माता का नाम..... था।
11. प्रभव चोर के पास.....और.....नामक दो विद्याएं थी।
12. कर्म ग्रहण करने वाली आत्मा की अवस्था .....है।
13. सचेल शब्द का अर्थ .....और अचेल शब्द का अर्थ .....है।
14. तेरापंथ की तीन विशेषताएं– 1.....
    2.....3.....है।
15. एलोरा की गुफाओं में..... जैन गुफाएं है।
16. मुनि का अर्थ है.....
17. तेरापंथ के वर्तमान आचार्य जिस दिन पट्ट पर आसीन होते हैं उस दिन को.....के रूप में मनाया जाता है।
18. साधना का अंतिम एवं सर्वोत्कृष्ट फल..... है।
19. दर्शन के संस्थापक को .....कहते हैं।
20. भगवान महावीर ने जगत को जीवन क्षेत्र में अहिंसा की जितनी बहुमुल्य देन दी है विचार क्षेत्र में उतनी बहुमुल्य देन है.....।